July 2024

Monthly Magazine
Year 10 Issue 7

Satyug

नारायण रेकी सतसंग परिवार

In Giving We Believe

सतयुग

हमारा उद्देश्य

"हर इंसान तन, मन, धन व संबंधों से स्वस्थ हो
हर घर में सुख, शांति समृद्धि हो व
हर व्यक्ति उन्नति, प्रगति व सफलता प्राप्त करे।"

वुधवार सतसंग

प्रत्येक वुधवार प्रात ११ वजे से ११.३० वजे तक

फेसवुक लाइव पर

सतसंग में भाग लेने के लिए नारायण रेकी सतसंग परिवार के फेसवुक पेज को ज्वाइन करें और सतसंग का आनंद लें।

नारायण गीत

नारायण-नारायण का उद्घोष जहाँ
राम राम मधुर धुन वहाँ
सबको खुशियाँ देता अपरम्पार,
जीवन में लाता सबके जो बहार
खोले, उन्नति, प्रगति, सफलता के द्वार,
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
हमारा एन.आर.एस.पी., प्यारा एन.आर.एस.पी.
प्यार, आदर, विश्वास बढ़ाता
रिश्तों को मजबूत बनाता, मजबूत बनाता
परोपकार का भाव जगाता
सच्चाई, नम्रता सेवा में विश्वास बढ़ाता
सत को करता अंगीकार
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
मुस्कान के राज बताता,
तन, मन, धन से देना सिखलाता
हमको जीना सिखलाता
घर-घर प्रेम के दीप जलाता
मन क्रम से जो हम देते वही लौटकर आता, वही लौटकर आता
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
एन.आर.एस.पी.,एन.आर.एस.पी.

।। 卐 ।।

पावन वाणी

प्रिय नारायण प्रेमियों,

।। नारायण नारायण ।।

नारायण शास्त्र कहता है, आपके शब्द आपके जीवन के निर्माता हैं, आपके भाग्य के निर्माता हैं । आप जिन शब्दों का प्रयोग करते हैं आपका जीवन वैसा ही बनता चला जाता है । अतः सदैव सोच समझकर सही, उचित, सकारात्मक शब्दों का ही प्रयोग करना चाहिये ।

हम जिन शब्दों का उच्चारण करते हैं वह शब्द एक वाइब्रेशन उत्पन्न करते हैं और ब्रह्मांड में जाकर घूमते रहते हैं । ब्रह्मांड यानी प्रकृति का स्वभाव भोला है । वह शब्द सुनती है और उन्हें पूरा करने में जुट जाती है । उसे सही-ग़लत, झूठ-सच, किसके के लिए कहे गये, इस सबका ज्ञान नहीं है उसे सिर्फ़ **तथास्तु** कहना आता है ।

हमारे मुख से शब्द निकला और प्रकृति ने तथास्तु कहा। भले ही यह शब्द हमने किसी दूसरे के लिए कहे हों, वो फलीभूत हो जाते हैं ।

हमने ब्रह्ममुहूर्त की साधना में कन्फेशन के दौरान कई बार सुना है कि हमने किसी और के लिये नकारात्मक शब्द कहे, वो फलीभूत होकर हमारी ही झोली में आ गये । कई-कई वर्षों के बाद कही हुई बात अक्षरशः हमारे जीवन में घटित हुई क्योंकि प्रकृति का सिद्धांत है आप जो देते हो वह ही गुणकों में आप तक वापस आता है । आपके द्वारा कहे शब्द ब्रह्मांड में जाकर रोपित हो जाते हैं और जैसा खाद पानी मिलता है उस रूप में फलित होते जाते हैं । अतः हमें एक-एक शब्द बहुत सोच समझकर बोलना चाहिए । नारायण शास्त्र कहता है जब भी बोलें, सही, उचित, सकारात्मक बोलें और यदि आपके पास सही सकारात्मक शब्द नहीं हैं तो मौन रह जायें पर ग़लत और नकारात्मक शब्दों का प्रयोग न करें क्योंकि जब यह गुणकों में फलित होते हैं तो न सिर्फ़ बोलने वाले को बल्कि उसके परिवार के सदस्यों को, उससे संबंधित हर एक व्यक्ति को प्रभावित करते हैं ।

नारायण रेकी सतसंग परिवार सही उचित सकारात्मक शब्दों के प्रयोग के माध्यम से तन- मन- धन संबंधों को स्वस्थ कर सतयुग की पुनर्स्थापना करने के लिए कटिबद्ध है। **इस सब के लिए सही उचित सकारात्मक शब्दों का प्रयोग हमारा महा मंत्र है।**

मेरी आप सब से प्रार्थना, सही उचित सकारात्मक शब्दों का प्रयोग करें और मनचाहा जीवन पाएँ और सतयुग की पुनर्स्थापना में हमारे सहभागी बनें।

शेष कुशल

R. Modi

-: संपादिका :-

संध्या गुप्ता

09820122502

-: प्रधान कार्यालय :-

नारायण भवन

टोपीवाला कंपाउंड, स्टेशन रोड़

गोरेगांव वेस्ट, मुंबई

-: क्षेत्रीय कार्यालय :-

अहमदाबाद	जैविनी शाह	9712945552
अकोला	शोभा अग्रवाल	9423102461
अकोला	रिया अग्रवाल	9075322783
अमरावती	तरुलता अग्रवाल	9422855590
औरंगाबाद	माधुरी धानुका	7040666999
बैंगलोर	कनिष्का पोद्दार	7045724921
बैंगलोर	शुभांगीं अग्रवाल	9327784837
बैंगलोर	शुभांगी अग्रवाल	9341402211
बस्ती	पूनम गाड़िया	9839582411
बिहार	पूनम दूधानी	9431160611
भीलवाड़ा	रेखा चौधरी	8947036241
भोपाल	रेनू गट्टानी	9826377979
चेन्नई	निर्मला चौधरी	9380111170
दिल्ली (नोएडा)	तरुण चण्डक	9560338327
दिल्ली (नोएडा)	मेघा गुप्ता	9968696600
दिल्ली (डब्ल्यू)	रेनु विज	9899277422
धुलिया	रेणु भटवाल	878571680
गोंदिया	पूजा अग्रवाल	9326811588
गोहटी	सरला लाहोटी	9435042637
हैदराबाद	स्नेहलता केडिया	9247819681
इंदौर	धनश्री शिरालकर	9324799502
जालना	रजनी अग्रवाल	8888882666
जलगांव	काला अग्रवाल	9325038277
जयपुर	प्रीति शर्मा	9461046537
जयपुर	सुनीता शर्मा	8949357310
झुनझुनू	पुष्पा देवी टिबेरेवाल	9694966254
इचलकरंजी	जय प्रकाश गोयनका	9422043578
कोल्हापुर	राधिका कुमटेकर	9518980632
कोलकत्ता	स्वेटा केडिया	9831543533
कानपुर	नीलम अग्रवाल	9956359597
लातूर	ज्योति भूतड़ा	9657656991
मालेगांव	रेखा गारोडिया	9595659042
मालेगांव	आरती चौधरी	9673519641
मोरबी	कल्पना चोरौड़िया	8469927279
नागपुर	सुधा अग्रवाल	9373101818
नांदेड़	चंदा काबरा	9422415436
नवलगढ़	ममता सिंग्रोडिया	9460844144
नासिक	सुनीता अग्रवाल	9892344435
पुणे	आभा चौधरी	9373161261
पटना	अरबिंद कुमार	9422126725
पुरुलिया	मृदु राठी	9434012619
परतवाड़ा	राखी मनीष अग्रवाल	9763263911
रायपुर	अदिति अग्रवाल	7898588999
रांची	आनंद चौधरी	9431115477
सूरत	रंजना अग्रवाल	9328199171
सांगली	हेमा मंत्री	9403571677
सिकर (राजस्थान)	सुषमा अग्रवाल	9320066700
श्री गंगानगर	मधु त्रिवेदी	9468881560
सतारा	नीलम कदम	9923557133
शोलापुर	सुवर्णा बलदवा	9561414443
सिलीगुड़ी	आकांक्षा मुधरा	9564025556
टाटा नगर	उमा अग्रवाल	9642556770
राउरकेला	उमा अग्रवाल	9776890000
उदयपुर	गुणवंती गोयल	9223563020
उबली	पल्लवी मलानी	9901382572
वाराणसी	अनीता भालोटिया	9918388543
विजयवाड़ा	किरण झँवर	9703933740
वर्धा	रूपा सिंघानिया	9833538222
विशाखापतनम	मंजू गुप्ता	9848936660

अंतर्राष्ट्रीय केंद्र का नाम

ऑस्ट्रेलिया	रंजना मोदी	61470045681
दुबई	विमला पोद्दार	+971528371106
काठमांडू	रिचा केडिया	+977985-1132261
सिंगापुर	पूजा गुप्ता	6591454445
शारजाह	शिल्पा मंजरे	+971501752655
बैंकॉक	गायत्री अग्रवाल	66952479920
विराटनगर	मंजू अग्रवाल	+977980-2792005
विराटनगर	वंदना गोयल	+977984-2377821

॥ 卐 ॥

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

॥ नारायण नारायण ॥

पिछले दिनों सोसाइटी में रहने वाली दो बहुत ही पक्की सहेलियों में अनबन हो गई । वजह- एक ने दूसरी से कुछ ऐसे शब्द कह दिए जिनसे दूसरे के दिल को दुःख पहुंचा और उन्होंने जीवन भर उनसे बात न करने की क़सम खा ली।

क्या सचमुच शब्द हमारे जीवन में इतने महत्वपूर्ण हैं ? क्या शब्द हमारी दोस्ती को, हमारे संबंधों को, हमारे जीवन को प्रभावित कर उसे परिवर्तित करने की क्षमता रखते हैं ।

टीम सतयुग ने सोचा कि इस अंक में अपने पाठकों से जीवन बनाने वाले उस महत्वपूर्ण विषय - शब्द के बारे में बात की जाये ।

टीम सतयुग हाज़िर है इस विषय पर जानकारी लेकर आपके समक्ष।

आप सभी शब्दों को सोच समझकर ही बोलेंगे इस विश्वास के साथ,

आपकी अपनी
संध्या गुप्ता

अंतरर्राष्ट्रीय कार्यालय :

नेपाल	रिचा केडिया	977985-1132261
आस्ट्रेलिया	रंजना मोदी	61470045681
बैंकाक	गायत्री अग्रवाल	66897604198
कनाडा	पूजा आनंद	14168547020
दुबई	विमला पोद्दार	971528371106
शारजहा	शिल्पा मांजरे	971501752655
जकार्ता	अपेक्षा जोगनी	9324889800
लन्दन	सी.ए. अक्षता अग्रवाल	447828015548
सिंगापुर	पूजा गुप्ता	6591454445
डबलिनओहियो अमेरिका	स्नेह नारायण अग्रवाल	1-614-787-3341

आपके विचार सकारात्मक सोच पर आधारित आपके लेख, काव्य संग्रह आमंत्रित है - सतयुग को साकार करने के लिये/आपके विचार हमारे लिये मूल्यवान हैं । आप हमारी कोशिश को आगे बढ़ाने में हमारी मदद कर सकते है । अपने विचार उदगार, काव्य लेखन हमें पत्र द्वारा, ई-मेल द्वारा भेज सकते हैं ।
हमारा ई-मेल है 2014satyug@gmail.com

we are on net

narayanreikisatsangparivar @narayanreiki

प्रकाशक : नारायण रेकी सतसंग परिवार
मुद्रक : श्रीरंग प्रिन्टर्स प्रा. लि. मुंबई.
Call : 022-67847777

॥नारायण नारायण॥

सतयुग का शंखनाद

शब्दों का जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। शब्द हमारे विचारों, भावनाओं, और दृष्टिकोण को व्यक्त करने का प्रमुख माध्यम हैं। शब्दों के माध्यम से ही हम अपने विचारों को दूसरों तक पहुंचाते हैं, और उनका प्रभाव हमारे संबंधों, सामाजिक जीवन, और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा होता है।

शब्द समाज की नींव हैं। वे हमारे संचार का आधार हैं और विचारों के आदान-प्रदान का साधन हैं। शब्दों के माध्यम से ही हम अपनी संस्कृति, परंपराओं और ज्ञान को आगे की पीढ़ियों तक पहुंचाते हैं। उदाहरण के लिए, साहित्य और इतिहास के माध्यम से हम अपने अतीत को जान सकते हैं और उससे सीख सकते हैं।

शब्दों की शक्ति अनंत होती है। एक अच्छी बात व्यक्ति को प्रेरित कर सकती है, उसका मनोबल बढ़ा सकती है, जबकि कठोर शब्द किसी को निराश कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, और मार्टिन लूथर किंग जैसे महान नेताओं ने शब्दों के माध्यम से समाज में बड़े बदलाव लाए हैं। उनकी बातें लोगों के दिलों में गहरी छाप छोड़ गईं और समाज को नई दिशा दी।

शब्दों का हमारे मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव होता है। दीदी कहती हैं शब्द हमारे जीवन के निर्माता हैं । हम जिन शब्दों का प्रयोग करते हैं हमारी दुनिया वैसी ही बनती चली जाती है । अतः सदैव सही, उचित, सकारात्मक शब्दों का ही प्रयोग करें । सकारात्मक शब्द हमारे आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान को बढ़ाते हैं। वे हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक शब्द हमारी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं, हमें निराशा की ओर धकेल सकते हैं। शब्दों के द्वारा ही व्यक्ति अपने विचारों का आदान-प्रदान करता है। शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। वे व्यक्ति के विचारों को प्रभावित करते हैं। सही मायनों में शब्द हमारे विचारों की मुद्रा होते हैं। जीवन में हमारे शब्दों का बहुत बड़ा महत्व है, हमारे शब्द ही हमारे जीवन की पहचान हैं, आज हम कैसे हैं, हम क्या काम करते हैं, लोगों के प्रति हमारा क्या व्यवहार है, हम अपने जीवन में कहाँ तक पहुंचे, इन सब की पहचान हम अपने शब्दों से लगा सकते हैं। शब्दों का महत्त्व हमारे जीवन में कुछ ऐसा है कि जो व्यक्ति शब्दों की शक्ति को समझ ले वो अपने जीवन को समझ लेता है यानी कि 'शब्द ही जीवन' हैं। अगर कोई व्यक्ति कुछ ऐसे शब्द बोलता है तो उस व्यक्ति का चरित्र समझा जा सकता है यानि कि शब्दों से ही इंसान की पहचान होती है। इस दुनिया में शब्द एक ऐसा हथियार है जो कि बहुत ही खतरनाक माना जाता है क्योंकि एक बार तलवार के घाव मिट जाते हैं लेकिन शब्दों के घाव कभी नहीं मिटते।

किसी भी व्यक्ति की कोई बात बुरी लगे तो किस तरह से सोचें ?

यदि व्यक्ति महत्वपूर्ण है तो बात को भूल जाओ और यदि बात महत्वपूर्ण है तो व्यक्ति को भूल जाओ।

ब्रह्म मुहूर्त की प्रार्थनाओं में हमने अनेकों बार सुना कि जिन शब्दों का प्रयोग दोस्तों के लिए किया वैसी परिस्थितियों का निर्माण आपके खुद के जीवन में हो गया । शब्द वाइब्रेशन हैं, वह अपना-पराया नहीं समझते बाद में वे फलीभूत होते जाते हैं जैसे वाइब्रेशन हम क्रिएट करते हैं वैसी ही हमारी दुनिया बन जाती है ।

अतःशब्दों का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए। इंसान एक दुकान है और ज़ुबान उसका ताला । ताला खुलता है तभी मालूम होता है कि दुकान 'सोने' की है या 'कोयले' की।

शब्दों के माध्यम से हम दूसरों की भावनाओं को समझ सकते हैं और उनके प्रति सहानुभूति दिखा सकते हैं। संवेदनशीलता से चुने गए शब्द रिश्तों को मजबूत बनाते हैं, जबकि लापरवाही से कहे गए शब्द रिश्तों में खटास ला सकते हैं। 'शब्द' यह वर्ड तो बहुत छोटा है, लेकिन इस वर्ड का जीवन में बहुत महत्व है, आज हम अपने जीवन में जहाँ कहीं पर भी हैं, हम अपने शब्दों की वजह से हैं । जिस व्यक्ति ने अपने जीवन में अपने शब्दों को सही तरीके से इस्तेमाल करना सीख लिया, उसने जीवन जीना सीख लिया। हमारे जीवन में शब्दों का बहुत अधिक महत्त्व माना जाता है क्योंकि हमारे जीवन में कुछ शब्द बोलने से लोग ताली भी बजाते हैं और दूसरी तरफ कई ऐसे शब्दों बोलने पर आपत्ति भी जताते हैं। यही कारण है कि हमें अपने जीवन में शब्दों को तोलकर बोलना चाहिए जिससे कुछ बोलने पर आपत्ति न आ जाये।

शब्दों की ताक़त कम मत समझिए ; एक छोटी सी 'हाँ' और एक 'ना' पूरी ज़िंदगी बदल सकता है ।

शब्दों को महत्व दो,तो रिश्तों का महत्व बना रहेगा ।

जब भी किसी से बात करें तो सही शब्दों का प्रयोग करें । हर शब्द अपने आप में बहुत ही शक्तिशाली होता है यानी कि आप शब्दों से सृजन भी कर सकते हैं और विनाश भी कर सकते हैं इसलिए जब भी कभी शब्दों का प्रयोग करना पड़े तो आप किसी सफल व्यक्ति को देखिये वो कभी बिना सोचे समझे कुछ नहीं बोलेगा यानी कि जो भी शब्दों का इस्तेमाल करेगा वो सोच समझकर ही करेगा। आज तीखे शब्दों का इस्तेमाल आपकी सफलता को भी रोक सकता है क्योंकि जब किसी से बात कर रहे हो तो हमारे मुँह से कई ऐसे शब्द निकल जाते है जो सामने वाले व्यक्ति के दिल को लगते है यानी कि उसे पसंद नहीं आते। और उसी कारण आपका और उनका सबंध अच्छा नहीं बनेगा। इसी कारण आप जब भी किसी से बात करें तो अच्छे शब्दों में बात करें और सोच समझकर शब्दों का प्रयोग करें जिससे उसे कुछ बुरा न लगे। और वो आपसे बात करके इम्प्रेस हो जाये । दुनिया शब्दों से ही चलती है यानी कि हर व्यक्ति अपने शब्दों से ही पहचाना जाता है अच्छा हो या बुरा। शब्द हमारे जीवन में इतने महत्त्वपूर्ण हैं कि शब्दों के द्वारा आप किसी भी व्यक्ति का दिल जीत सकते हैं और शब्दों से ही झगड़ा भी हो सकता है यानी कि हमारे जीवन में शब्दों का बड़ा ही महत्त्व है।

हमें यह याद रखना चाहिए कि शब्द मात्र ध्वनियाँ नहीं हैं, वे अर्थपूर्ण होते हैं और हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं। इसलिए, हमें सोच-समझकर शब्दों का उपयोग करना चाहिए, ताकि हम अपने विचारों और भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त कर सकें और दूसरों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डाल सकें। शब्दों की महत्ता को समझकर ही हम समाज और अपने जीवन में सुख, शांति और प्रगति ला सकते हैं।

ज्ञान मँजूषा

इस बार के ज्ञान मंजूषा में हम उस पॉडकास्ट के कुछ अंश लेकर आयें हैं जिसमें दीदी ने दिल खोल कर अपने मन की बात कही ।

प्रश्न - पिछले कुछ दिनों से मैं आपके वीडिओज़ देखता हूं, आप राम राम १, राम-राम २ ऐसे काउंटिंग करते हैं। नारायण नारायण १, नारायण नारायण २ क्यों नहीं ?

राज दीदी - राम-राम शुरू से सिस्टम में बैठा हुआ है क्योंकि बचपन से ही हम राम-राम का जाप करते हैं और नारायण नारायण हम सिर्फ़ उस वक्त बोलते हैं जब हम घर से बाहर जाते हैं। घर से बाहर निकलने के बाद हमारी सुरक्षा हो जाएगी और ईश्वर हमारी रक्षा करेंगे तो नारायण-नारायण हम इसलिए बोलते हैं। नारायण- नारायण वैसे सेट हो गया और राम राम का जाप ऐसे सेट हो गया। राम जी और नारायण जी are one and the same, power is one and the same. आप कृष्ण बोलो, माता रानी बोलो सभी भगवान एक ही है, पावर एक है।

प्रश्न : २ राम राम १, राम राम २, राम राम ३ ये नंबर वाइज क्यों, इस तरह से क्यों ? मेरा आपसे यह प्रश्न पूछने का उद्देश्य यह है कि राम-राम आप एक बार बोलो, सौ बार बोलो या हजार बार बोलो जितना भी बोलो उतना कम ही है तो काउंटिंग क्यों?

राज दीदी - कई लोग हमसे पूछते हैं कि ऐसे क्यों काउंट करना है?

हम लोग समूह में प्रार्थना करते हैं, यदि मैं आपको कहूंगी कि आप जाप करो और हम राम राम राम राम बोलते जाएंगे तो हमें पता नहीं चलेगा कि हमें कहाँ रुकना है। जब हम समूह में प्रार्थना कर रहे हैं, काउंटिंग कर रहे हैं ५०० लोग, १००० लोग, २००० लोग जितने भी लोग हैं तो हमें मालूम होता है कि हमें राम-राम २१ पर रुक जाना है। राम राम की एक माला करनी है, राम राम २१ करना है तो सबका एक लय में ही चलेगा। हम अगर अकेले में भी जप कर रहे हैं तो राम राम राम राम करेंगे और अगर बीच में फ़ोन आता है, डोर बेल बजती है तो हमने जप कहां तक किया यह नहीं याद रहेगा, यदि काउंटिंग रहती है ना तो राम राम २१ की काउंटिंग पूरी करते हैं और राम राम २१ तक पूरा होने देते हैं, फिर ही फ़ोन कॉल अटेंड करते हैं या दरवाजा खोलते हैं। यह सभी के लिए सुविधाजनक होता है।

हम राम राम २१ भी करते हैं, राम राम ५६ भी करते हैं, राम राम १०८ भी करते हैं। आजकल हम छोटी माला ही करते हैं। ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि सबके लिए कम्फ़र्टेबल है।

पहली बात तो यह है कि राम राम २१ की माला ३० सेकंड्स में पूरी हो जाती है।

दूसरी बात यह है कि हमारे मारवाड़ी में यह कहावत है कि हर काम २१ होना चाहिए तो हम उस २१ पर ही फोकस करते हैं ताकि सब बेस्ट हो।

प्रश्न : दीदी आप बहुत ज्यादा humble हैं, आपमें बहुत पेशेंस भी है। रोज इतनी सारी माला जपना, उसके बाद लोगों की परेशानियां जानना, उन्हें उसका समाधान भी देना, आप बहुत ज्यादा काम भी करते

हैं। मैं अभी आपसे मिल रहा हूं मैं यह फील कर सकता हूं, कि आपकी एनर्जी बहुत ज्यादा calm है, kind है। यह एनर्जी आपने कैसे डेवलप की और लोग इस एनर्जी को कैसे डेवलप कर सकते हैं?

राज दीदी- पेशेंस की बात आप कर रहे हैं, जितना आपको दिखाई देता है उससे थोड़ा कम ही है, घर में उतना नहीं रहता। बचपन में जिस वातावरण में हम पले - बढ़े, हमारे पास दूसरा ऑप्शन नहीं था। हम जिद नहीं करते थे, किस से करेंगे, किस बेस पर करेंगे? सीधी सरल भाषा में कहें तो हम दबके चलते थे। मेरे पिताजी एकदम सीधे सरल, मेरे भाई बहुत सख्त हैं, जोर से बोलना मेरे भाइयों को पसंद नहीं था। तेज बोलना, बाहर खड़े रहना, लड़कों से बातें करना यह भाइयों को पसंद नहीं था। बड़ा भाई तो ठीक है, रिस्पेक्ट के आधार पर लेकिन छोटे भाई की आंखों से भी हम डरते थे। वह ५ साल छोटा है मुझसे। आज भी हमारी हिम्मत नहीं है कि बड़े भाई के सामने हम ज़ोर से बोल सकें यह हिम्मत हम में आज भी नहीं है। शुरू से उस माहौल में पले - बढ़े, तो उससे स्वभाव में बहुत चीजें आती चली गई। मां नहीं थी, मेरी दादी ने पाला - पोसा, पर सपोर्टर हमारी चाची थी। मेरी चाची का मेरे जीवन पर बहुत बड़ा इंपैक्ट है। चाची हमेशा ही मुझे बोलती रहती थी कि ससुराल जाएगी तो ज़ोर से मत बोलना, कल को कोई ऐसा ना बोले कि मां नहीं थी तो किसी ने कोई संस्कार नहीं दिए। संस्कार बहुत स्ट्रांग होने चाहिए ताकि उन्हें लगे कि दादी और चाची ने बहुत अच्छे संस्कार दिए हैं। चाची का बारंबार, बारंबार प्रेम से समझाना कि कभी ऊंची आवाज में नहीं बोलना, बेटा ससुराल में तुम शांत रह के चलोगे और व्यवहार अच्छा रहेगा तो सब एक्सेप्ट करेंगे। तुम्हारे पीहर में कोई इतना स्ट्रांग नहीं है कि किसी बात पर तुम अपनी आवाज तेज कर सको। इस तरह से उनकी जो फीडिंग हमको मिली, हमारा जो फ्रेंड सर्कल था, हमारे इर्द - गिर्द के सभी लोग बहुत अच्छे मिले। यह हम नारायण की कृपा ही कहेंगे कि शुरू से हमें सराउंडिंग्स बहुत अच्छी मिली, इसलिए अच्छी चीजें भीतर आती चली गई।

लोग मुझसे पूछते हैं कि इतनी बड़ी टीम आप कैसे तैयार कर लेते हो? कैसे लोगों से डील करते हो? लोग मुझे डील करते हैं, मुझे कुछ भी नहीं संभालना पड़ता। रियली पूछिए। आप किसी से भी पूछेंगे तो सच में मुझे कुछ भी नहीं संभालना पड़ता। अगर मुझसे पूछेंगे कि आपका यह विज़न था क्या, इतनी ऊंचाई पर जाना? मेरा कोई विज़न नहीं था। जीवन में चीजें अपने आप होती चली गई। मैं इतना जरूर बोलूंगी कि समय का मैंने हमेशा सदुपयोग किया, शब्दों को हमेशा सोच समझ कर उच्चारण किया। बहुत अधिक बोलना, फोन पर टाइम पास करना, टीवी देखना, दूसरों से गपशप करना यह सब हमने कभी नहीं किया। आज तो हम सत्संग में पूरे इन्वॉल्व हो गए हैं। उठना, बैठना, खाना, पीना सब सतसंग ही है लेकिन हम उन दिनों की बात कर रहे हैं जब हम सत्संग में इतने इन्वॉल्व नहीं थे। तब भी हमारा यह स्वभाव नहीं था कि किसी से गॉसिप कर रहे हैं, टीवी देख रहे हैं। अब हम जब ग्रंथों का अध्ययन कर रहे हैं तो पहली चीज तो ये समझ में आ रही है कि आप सामने वाले को पोलाइटनेस से जीत सकते हो, क्रोध से नहीं । आप कितने ही बड़े लोगों को देख लीजिए, आपको सब humble ही मिलेंगे। गांधीजी को ही ले लीजिए ये सारे के सारे humble ही हैं ।

नारायण शास्त्र कहता है कि जब आप विनम्र होते हैं तो आप समृद्धि को अपने जीवन में आकर्षित करते हैं। समृद्धि यानी सिर्फ़ धन नहीं, चार चीजें काउंट होती हैं उसमें - आपका तन, आपका मन, आपका धन, आपके संबंध। आप जब पोलाइट होते हैं तो आपका तन स्वस्थ होता है क्योंकि आपकी एनर्जी आपके पास है, आप चिल्लाएंगे तो आपकी एनर्जी कहाँ गई? पोलाइटनेस आपको बहुत सारी चीज़ें देती है - आपका मन शांत, धन की बरकत। आज जितने पोलाइट होंगे, humble होंगे उतनी ही अच्छी चीजों को आप आकर्षक करते चले जाएंगे। आपने मुझे कहा कि आपने मेरे वीडियो देखे हैं, तो यहां मैंने मुखौटा नहीं पहन रखा है, यह मेरी दिनचर्या में शामिल है।

प्रश्न : जन्म कुंडली को मानना चाहिए कि नहीं मानना चाहिए और हमारे द्वारा किए गए कर्म हमारी जन्म कुंडली पर क्या असर करते हैं?

राज दीदी: जन्म कुंडली को मानना या ना मानना यह आपका निजी चुनाव है, आपका विश्वास और आपकी मान्यता पर निर्भर करता है। हमारे कर्म हमारे जीवन पर किस तरह असर करते हैं, वो हम आपको सीधी सरल भाषा में बताते हैं ताकि आप आसानी से समझ पाएं । राज दीदी ने आगे कहा कि इस ब्रह्मांड में हम सबके नाम के अदृश्य ड्रम भरे हुए हैं, सबके नाम के ड्रम भरे हुए हैं, ये नीचे से खुले हैं और इस ब्रह्मांड में अदृश्य शक्तियां विचरण कर रही हैं।

ये शक्तियां असंख्य है, असंख्य जो अदृश्य है। यह अदृश्य शक्तियां जो विचरण कर रही हैं, इसका एहसास आपको भी कई बार हुआ होगा। चलते-चलते पैर फिसला पर मैं बच गई, पता नहीं किसने थाम लिया तो सुरक्षित रह गए। होता है ना?

सीढ़ियाँ उतर रहे हैं, कहीं पर पैर अटका लेकिन गिरते गिरते बच गए और साथ में हमारे मुख से यह भी निकल जाता है कि पता नहीं किसने हाथ पकड़ लिया, समझ में ही नहीं आया। यह पता ही नहीं चलता कि किसने रक्षा की। अक्सीडेंट होते - होते बच गए, ये अदृश्य शक्ति है जो इस ब्रह्मांड में विचरण कर रही हैं और अपनी उपस्थिति का अहसास आपको बहुत बार करा देती है।

प्रश्न : इनका काम क्या है? इन अदृश्य शक्तियों का मुख्य काम क्या है?

राज दीदी - इन अदृश्य शक्तियों का मुख्य काम यह है कि जब हम अच्छे कर्म करते हैं तो इनकी छटनी बहुत अक्टिव है। अच्छे कर्म की एवज में आपके खाते में अनाज भर दिया जाता है और जब आप गलत कर्म करते हैं तो उसकी एवज में कंकड़ - पत्थर इसमें डाल दिये जाते हैं । यह इनका मुख्य काम है, बहुत एक्टिव होती है यह प्रक्रिया। आपने विचार - वाणी और व्यवहार के माध्यम से अच्छे कर्म किए, झट से आपके ड्रम में अनाज डाल दिया जाता है, गेहूं डाल दिया जाता है। गलत कर्म किए तो झट से कंकड़ - पत्थर इसमें भर दिए गए।

राज दीदी ने आगे कहा अच्छे कर्मों की परिभाषा क्या है या अच्छे कर्म किसे कहते हैं?

सीधी सरल भाषा में आपके द्वारा किया गया वो कर्म जो दूसरों को सुख पहुंचाता है, खुशी देता है, शांत होने

देता है, सांत्वना देता है, प्रेरणा देता है, प्रोत्साहन देता है, अच्छा महसूस करवाता है, यह सब अच्छे कर्मों की श्रेणी में आता है। उसकी एवज में ये अदृश्य शक्तियां झट से आपके खाते में ले जा के गेहूं, अनाज डाल देती है। नकारात्मक कर्म या ग़लत कर्म आपके द्वारा किया गया वह कर्म जो दूसरों को दुःख देता है उसकी एवज में यह अदृश्य शक्तियां आपके ड्रम में कंकड़ - पत्थर भर देती है।

आप जब अच्छे कर्म करते हैं और जो गेहूं आपके खाते में गया है, उसका फल जो मिलता है वह पूरे पैकेज डील के साथ आता है - सुख, शांति, सेहत, समृद्धि, खुशी, आनंद, उत्साह, उन्नति, प्रगति, सफलता, Name, Fame, Money, Love, Respect, Faith, Care, अच्छी आदतें, अच्छा स्वभाव। आपके काम एकदम आसानी से, सरलता से होते चले जाते हैं। जो चीजें आपको चाहिए और वह भाग्य में नहीं है वह भी आसानी से आपको मिल जाती है। नकारात्मक कर्म करने से आपके ड्रम में जो कंकर - पत्थर भरे गए हैं, उसकी पैकेज डील में आता है - दुःख , दरिद्रता, अशांति, रोग, शोक, पतन, कष्ट, पीड़ा, तकलीफें।

प्रश्नः-आपने कहा आपने समय का सदुपयोग किया पर आज सब यह कहते हैं समय कम है हम अपने समय को कैसे बढ़ा सकते हैं ?

राज दीदी - देखो समय सबके पास चाहे अड़ानी हो अंबानी हो या साधारण मज़दूर हो सबके पास २४ घंटे ही हैं एक समान ही है। आपको ५० घंटे भी देंगे तो वही व्यवस्था रहेगी। सबके पास समय एक समान ही है। आप नोटिस करेंगे समय कम है? यह शिकायत वो व्यक्ति करते हैं जो ग़ैर ज़रूरी कार्यों को पहले पूरा करते हैं उसमें अपनी एनर्जी, अपना समय लगाते हैं इसलिए ज़रूरी कामों के लिए समय नहीं बचता। यदि आप ज़रूरी कार्यों को समय से कर लेते हैं तो आपके पास समय ही समय है।

जो ऊँचाई पर पहुँचे हैं उनके पास भी उतना ही समय है, पर वो उसका सदुपयोग करते हैं । आपका मोबाइल कितना समय ले लेता है ? बड़े लोग जो ऊँचाई पर जा रहे हैं वो मोबाइल रखते ही नहीं है और जितना ज़रूरी हो उतना ही मोबाइल देखते हैं । समय बांध रखा है । चलते फिरते मेसेज देखते हैं। आप एक मेसेज देखने के लिए मोबाइल उठाते हैं। आप कभी घड़ी पर ध्यान दीजियेगा कि जब आप एक मेसेज को देखने के लिए मोबाइल उठाते हैं आधा पौना घंटा कब निकल गया पता ही नहीं चलता । इसलिए फिर आपके पास समय बचता नहीं है। हम लोगों ने टाइम बांध रखा है और इतना अंगूठे में ताक़त है देखा और बंद किया ।

प्रश्न -यह ताकत लायें कहाँ से ?

राज दीदी - मैंने अलेक्सा सेट अप कर रखा है। उसको बोलती हूँ ५ मिनट का अलार्म लगाओ। ५ मिनट में अलार्म बजने लगता है उसका अलार्म बजते ही मैं रुक जाती हूँ । यदि मैं इसको बढ़ाती नहीं हूँ चाहे कितना भी इंट्रेस्टिंग मेसेज चल रहा हो । कई बार रात को देरी से सोती हूँ। सुबह रोज़ का रूटीन है हालाँकि नींद ३ बजे खुल जाती है फिर भी ज़िम्मेदारी है सीट पर बैठना है तो सेफर साइड अलार्म लगाकर रखती हूँ और अलार्म बजते ही उठ जाती हूँ। अलार्म बजा,और उठी। पाँच मिनट बाद में उठती हूँ, ऐसा आज तक कभी नहीं किया है।

हमारा मस्तिष्क हमारे साथ गेम खेलता है। आपने अलार्म सेट कर दिया कि मैं ५ मिनट के लिए १० मिनट के लिए मोबाइल देख रहा हूँ । बहुत देर से मेसेज नहीं देखा है । आप हाथ में लेते ही आपको मोबाइल में इंटरेस्ट आने लगता है। कितना समय जाएगा पता नहीं चलता।

आपने अलार्म सेट कर रखा है और अलार्म के साथ मोबाइल बंद कर दिया। चार पाँच बार आप ऐसा करेंगे तो आपके मस्तिष्क को पता चल जाएगा कि यह समय से ऊपर मोबाइल देखेगा नहीं तो नेक्स्ट टाइम अलार्म बजा आपका हाथ ऑटोमैटिकली मोबाइल को बंद करने पर चला जाएगा। यदि आपने शुरुआत में ही आपने १० मिनट का अलार्म लगाया और मोबाइल बंद नहीं किया तो आपकी वो ही साइकिल चलती रहेगी। ५/६ बार आपने अलार्म बजते ही मोबाइल बंद कर दिया तो अगली बार आपको एफर्ट नहीं डालना पड़ेगा क्योंकि अपना मस्तिष्क कम्फर्ट जोन में जीता है। शुरू से इसको आदत है इसे ट्रेन करना पड़ता है।

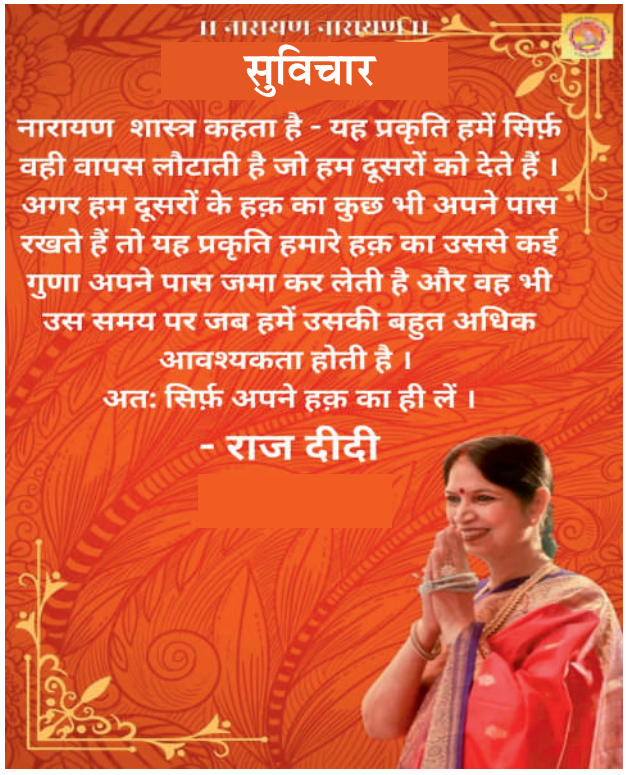

सारथी उद्यमों को नारायण शक्ति के साथ नारायण का दिव्य आशीर्वाद, व्यवसाय में सफलता और अच्छा मुनाफा।

युवा मंच

शब्द भाषा का एक मूलभूत पहलू है जो प्रभावी संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभिन्न प्रकार के शब्द अर्थों को समझना आवश्यक है।

शब्द आपके कामकाजी जीवन, आपके पारिवारिक जीवन, आपके सामाजिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह महत्वपूर्ण है, कि आपके पास ऐसे शब्द हों, जिनकी आपको यह बताने के लिए ज़रूरत हो कि आप कैसा महसूस करते हैं, आपको क्या चाहिए या आप आगे क्या करने जा रहे हैं। शब्द लोगों को चोट पहुँचा सकते हैं, उन्हें खुश महसूस करा सकते हैं, प्रोत्साहन देते हैं, हतोत्साहित करते हैं । **शब्द में अपार शक्ति समाहित है।** इसका सदुपयोग आपके जीवन को सप्त सितारा बना सकता है और दुरुपयोग कष्टकारी।

शब्दों में समाहित होती है ऊर्जा। सकारात्मक शब्द सकारात्मक ऊर्जा का सृजन करते हैं और नकारात्मक शब्द नकारात्मक ऊर्जा का सृजन करते हैं।

शब्दों की शक्ति अतुलनीय है। अच्छे व सकारात्मक शब्द व्यक्ति को सही दिशा व ज्ञान प्रदान करते हैं। कई बार सोच-समझ कर किए गए अच्छे शब्दों का प्रयोग व्यक्ति का जीवन बदल देता है।

आज का युवा अगर शब्दों में समाहित अपार शक्ति को पहचान उनका सदुपयोग करें तो निश्चित ही उनका आने वाला जीवन सार्थक ही होगा।

हमें कब बोलना है, कब चुप रहना है और कितना बोलना है- अगर यह विवेक जागृत हो जाये तो जीवन का आनंद बढ़ जाता है।

अक्सर आपने देखा होगा कि हर व्यक्ति अपनी बात आगे रखना चाहता है पर उसके लिये एक अच्छे श्रोता की आवश्यकता होती है।

अगले व्यक्ति की बात ध्यान से सुनें, मौन रहें या उसे सकारात्मक सलाह दें। आपके द्वारा दी गई सही सलाह उसे शब्दों के प्रति जागरूक करेगी।

राज दीदी कहती हैं कि अक्सर लोग धन बहुत सोच समझ कर व्यय करते हैं पर धन से भी बहुमूल्य होते हैं हमारे शब्द । हर शब्द को बोलने से पहले तोलें और फिर बाहर आने दें ।

कुटिल वचन सबते बुरा, जारि करे सब छार

साधु वचन जल रूप है, बरसै अमृत धार।।

नकारात्मक शब्द इतने बुरे होते हैं कि सब जला कर खाक़ करने की क्षमता रखते हैं और अच्छे सकारात्मक शब्द जल के समान होते हैं जो अमृत के रूप में बरस जीवनदान देते हैं।

शब्दों के बिना न तो हम सोच सकते हैं, न ही अपना कोई कार्य कर सकते हैं।

युवा सिर्फ़ और सिर्फ़ सही और उचित शब्दों का दैनिक भाषा में प्रयोग कर अपने जीवन के सृजनहार् बन सकते हैं।

आज के सोशल मीडिया में, दैनिक जीवन में, हँसी मज़ाक़ में प्रयोग होने वाले स्लैंग शब्द हमें एक अलग दिशा

में ले जा रहे हैं। इनकी नकारात्मक ऊर्जा हमारे अंदर संयम, आत्मविश्वास, शालीनता का हरण कर हमें असंयमित, निराशावादी और बदतमीज़ बना रही है।

हमारे शब्दों का जीवन मे क्या महत्व है, उसको हम इस बात से समझ सकते हैं की आज हम अपने जीवन में जिस भी परिस्थति में है, वो हम अपने शब्दों की वजह से ही हैं, इसलिए किसी भी समय जब हम बात करें तो अपने शब्दों का सही से इस्तेमाल जरूर करें, जिससे हम अपनी बात से सामने वाले का मन जीत सकें।

आपके शब्दों मे इतनी बड़ी ताकत है, कि यह आपके मजबूत से मजबूत सम्बन्धों को भी तोड़ सकता है, ओर ख़राब से ख़राब लोगों के साथ भी आपका एक अच्छा संबंध बना सकता है।

शब्दों का व्यवसाय में बहुत महत्वपूर्ण रोल होता है, आपके सही शब्द आपको अपने व्यापार को बहुत आगे बढ़ा सकते हैं, आपके शब्द ही इस चीज को तय करेंगे कि सामने वाला व्यक्ति आपके साथ व्यापार करेगा या नहीं।

अगर आप जॉब करते हैं तब भी आपकी भाषा ही आपको लोकप्रिय बनाती है।

जीवन में हमारे शब्दों का बहुत महत्व है। हमारे शब्द ही हमारे जीवन की पहचान हैं।

शब्द यह वर्ड तो बहुत छोटा है, लेकिन इस वर्ड का जीवन में बहुत महत्व है, आज हम अपने जीवन में जहाँ कहीं पर भी है, वो हम अपने शब्दों की वजह से हैं। जिस व्यक्ति ने अपने जीवन में अपने शब्दों का सही तरीके से इस्तेमाल करना सीख लिया वो व्यक्ति अपने जीवन में किसी भी परिस्थति को सहजता से सम्भाल सकता है ।

आइये सेल्फ हीलिंग में यह स्टेटमेंट ज़रूर बोलें कि- **हम सही और उचित शब्दों का ही प्रयोग करते हैं।** और फिर देखें कि जीवन कितना सुंदर हो जाएगा ।

केदार राठी को जन्मदिन (२९ जुलाई) सुख, शांति, सेहत, समृद्धि, उन्नति, प्रगति, सफलता से भरे सप्त सितारा जीवन का नारायण आशीर्वाद ।

नम्रता राठी को जन्मदिन (२३ जुलाई) सुख, शांति, सेहत, समृद्धि, उन्नति, प्रगति, सफलता से भरे सप्त सितारा जीवन का नारायण आशीर्वाद ।

वर्षा वैती को जन्मदिन (१५ अगस्त) सुख, शांति, सेहत, समृद्धि, उन्नति, प्रगति, सफलता से भरे सप्त सितारा जीवन का नारायण आशीर्वाद ।

बच्चों की फुलवारी

८४ लाख योनियों से गुजरने के बाद, हम इस धरती पर अपने मनुष्य रूप में आने के लिए चुने गए हैं, जो सभी योनियों में सबसे उन्नत है। नारायण ने केवल मनुष्यों को ही वाणी की शक्ति प्रदान की है, और उन्होंने रिमोट कंट्रोल भी हमें सौंप दिया है। हम जो शब्द बोलते हैं, वे हमारे भाग्य को बदल देते हैं।

सतयुग के इस अंक में हम शब्दों के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

शब्द संचार के निर्माण खंड हैं, और उनके महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। यहाँ कुछ कारण दिए गए हैं कि शब्द क्यों महत्वपूर्ण हैं :

शब्द अर्थ और विचार व्यक्त करते हैं: शब्द हमें अपने विचारों, भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे हम दूसरों से जुड़ सकते हैं और अपने दृष्टिकोण साझा कर सकते हैं।

नारायण शास्त्र ने एक बार फिर इस तथ्य को साबित किया है कि शब्द हमारे भाग्य को आकार देते हैं । हम जो शब्द बोलते हैं, वे मजबूत ऊर्जा के साथ हमारे पास वापस आते हैं और इस प्रकार हमने जो कहा है उसे प्रकट करते हैं। हम जो शब्द बोलते हैं, वे वीणा की तरह मधुर हो सकते हैं, या वे किसी के दिल को तीर की तरह चीर सकते हैं। शब्द संबंध बनाने में मदद करते हैं या इसके विपरीत संबंधों में दरार डालने की ताक़त रखते हैं।

हम अपने शब्दों की शक्ति का उपयोग करके औरों को प्रेरित कर सकते हैं और मार्गदर्शन कर सकते हैं। शब्द हमें अपनी पहचान को व्यक्त करने, अपनी व्यक्तिगतता को व्यक्त करने और खुद के और दूसरों के लिए वकालत करने की अनुमति देते हैं।

चुनौतीपूर्ण समय के दौरान सही शब्द सांत्वना, प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान कर सकते हैं।

शब्द रचनात्मकता और कल्पना को प्रेरित करते हैं : शब्द नए विचारों को जगा सकते हैं, रचनात्मकता को बढ़ावा दे सकते हैं और कल्पना को जीवंत कर सकते हैं।

शब्द सीखने और विकास को सुगम बनाते हैं: ज्ञान प्राप्त करने, अवधारणाओं को समझने और नए कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक हैं।

नारायण शास्त्र और राज दीदी कहते हैं कि हम जो शब्द बोलते हैं, वे हमारे पास और कई गुना होकर वापस आते हैं। हम एक बार बोलते हैं और ब्रह्मांड हमें वही शब्द कई बार लौटाता है।

एक सत्संगी ने साझा किया कि उसके ससुर ने टिप्पणी की कि इतनी शिक्षित बहू लाना उनकी ओर से एक गलती थी। यह सत्संगी जो उस समय NRSP नहीं थी, ने पलटकर जवाब दिया - 'अब तुम सहन करो'।

बेटे से समझदारी भरे शब्द उसके पास वापस आए।

शब्दों के उपयोग के प्रति सतर्क रहें। केवल अच्छे और सकारात्मक शब्द बोलें और याद रखें कि आप जो भी बोलते हैं वह आपके पास वापस आता ही है।

दीदी के छाँव तले

इस बार सतयुग का अंक शब्दों के ऊपर है। इस स्तंभ में हम उन लोगों के अनुभव लेकर आये हैं जिन्होंने नकारात्मक शब्दों का प्रयोग किया और वही शब्द किस तरह उनके जीवन में वापस आये :

१) जब मेरे पिता जी का बहुत अच्छा समय था, उनके पास आठ दाल मिल, दस राइस मिल, कई आइस फैक्ट्री, इम्पोर्ट एक्सपोर्ट का बिज़नेस, रिफाइंड आयल फैक्ट्री, मस्टर्ड आयल फैक्ट्री आदि अनेकों बिज़नेस थे। तब वे सदैव मेरे भाइयों को यह कहते थे कि समय पर उठ कर काम पर जाया करो वरना एक दिन ऐसा समय आएगा कि तुम कटोरा ले कर भीख मांगते फिरोगे। आज उनकी यही स्तिथि हो गयी है, कि सारे बिज़नेस नारायण हेल्प हैं। राज दीदी को सुन कर उन्हें अपने द्वारा कहे गए शब्दों के गलत इस्तेमाल से होने वाला परिणाम का अहसास हो रहा है।

हम कहीं भी जाते थे किसी भी जैन स्थानक में, तो बोल देते थे कि एक कमरा हमारी तरफ से भी बनवा देना, परन्तु बाद में उन्हें पैसे देना भूल जाते थे । आज सभी प्रॉपर्टी बिक गयी हैं, सारे बिज़नेस ठप्प हो गए है। हम सभी माफ़ी चाहते है।

२) जब मैं अपनी सहेलियों से मिल कर वापस घर जाती थी तब मैं मज़ाक में सहेलियों को कहती थी कि मैं डेन (शेर के घर रहने की जगह के) जा रही हूँ आज अवस्था यह है कि मेरे पति मुझे रात को ९ बजे बाद घर से निकलने नहीं देते हैं, चाहे कितना भी अर्जेंट काम क्यों ना हो।

पति कहते थे कि मैं पच्चीस लाख रूपए जला सकता हूँ, तू क्या पैसा पैसा करती है। आज हम बहुत बड़ी पोजीशन पर होते हुए भी पच्चीस लाख से भी कई गुना ज़्यादा बड़ा आर्थिक नुक्सान झेल रहे हैं। हम अपने शब्दों के लिए क्षमा चाहते है।

३) मुझे अपने शारीरिक फुर्ती के ऊपर बहुत ज़्यादा घमंड था, मैं कहती थी, ये काम- तुम बहुत धीरे कर रहे हो, या तुम ठीक से नहीं कर रहे हो , यह तो मेरे बाएं हाथ का मैल ही, झट से कर लूंगी, और कर भी लेती थी। परिणामः आज उम्र के साथ शरीर साथ नहीं देता है और हेल्पर्स के ऊपर ही डिपेंड रहना पड़ता है। शब्दों के लिए क्षमा चाहती हूँ।

४) मेरी बहन की बेटी को खाना बनाने में बहुत आलस आता था तो वह प्रायः यह बोलती थी कि काश ऐसा हो कि न तो मुझे भूख लगे, न मुझे भोजन में स्वाद आये, ताकि एक जने का भोजन बनाना ही नहीं पड़ेगा. परिणामः अब सच में उन्हें भोजन में स्वाद नहीं आता है और भूख भी नहीं लगती है जिसके कारण वह बहुत कमज़ोर हो गयी है। अब वो अपने शब्दों का कन्फेशन कर रही है।

५)कोरोना काल में जेठ की बेटी मेरे पास आयी हुई थ। उसका ऑनलाइन क्लासेज चलता था, वह रात को जागती थी और दिन भर सोती थी। इसकी चर्चा मैं अपनी सासु माँ से और अपने पति से करती थी, यह भी कहती थी कि यह तो ऑनलाइन एग्जाम में चीटिंग करती है, इसके पापा के पास बहुत पैसे हैं । आज ३ साल बाद वही सब बातें मेरी बेटी में देख रही हूँ। वह इंडिया से बाहर पढाई करने गयी है. जब इंडिया आती है तो रात

भर मोबाइल फ़ोन देखती है और दिन भर सोती है। वह पढ़ाई में अव्वल थी, पर अब उसका पढ़ाई में बिलकुल भी मन नहीं है, पूरी रात मूवीज देखती है। आप कहते हैं न कि प्रकृति गुणकों में लौटाती है, वही मेरे साथ हो रहा है, जो भी बातें मैंने मेरे जेठ जी की बेटी के लिए कही थीं वही सब बड़ा रूप ले कर मेरे सामने आ रही हैं । मैं नाक रगड़ कर माफ़ी मांगती हूं।

मुख से निकला तीर

एक बार एक गोलू नाम का किसान अपने साथी से कुछ अपशब्द कह देता है फिर उसके बाद क्या होता है, ये आपको आगे कहानी में पता चलेगा। एक बार गोलू किसान ने अपने पड़ोसी को बहुत बुरा भला कह दिया, लेकिन बाद में उसे अपनी गलती का अहसास हुआ तो वो पश्चाताप के लिए एक गुरु बाबा के पास गया। उसने जाकर गुरु बाबा से अपने शब्द वापिस लेने का उपाय पूछा ताकि उसके मन का बोझ कुछ कम हो सके।

गुरु बाबा ने गोलू किसान से कहा, एक काम करो तुम जाकर कंही से खूब सारे पंख इक्कठा कर लो और उसके बाद उन पंखों को शहर के बीचों बीच जाकर बिखेर दो। गोलू किसान ने ऐसा ही किया और फिर गुरु बाबा के पास पहुँच गया। तो गुरु बाबा ने उस गोलू किसान से कहा क्या तुम ऐसा कर सकते हो कि जाकर उन पंखों को पुनः समेट के ले आ सको?

इस पर गोलू किसान वापिस गया तो देखता है कि हवा के कारण सारे पंख उड़ गये हैं और कुछ जो बचे हैं वो समेटे नहीं जा सकते । गोलू किसान खाली हाथ गुरु बाबा के पास पहुंचा तो गुरु बाबा ने उसे समझाया कि ठीक ऐसा ही तुम्हारे शब्दों के साथ होता है तुम बड़ी आसानी से किसी को कुछ भी बिना सोचे समझे कह सकते हो लेकिन एक बार कह देने के बाद वो शब्द वापिस नहीं लिए जा सकते ठीक ऐसे ही जैसे कि एक बार बिखेर देने के बाद पंखों को वापिस नहीं समेटा जा सकता।

शब्दों का महत्व

एक बार स्वामी विवेकानंद जी अपने सतसंग में शब्दों की महिमा विषय पर चर्चा कर रहे थे । इसी क्रम में वह 'GOD' शब्द की महत्ता को समझा रहे थे । एक व्यक्ति जो काफ़ी तर्क कर रहा था , उसने कहा ,'शब्दों में क्या ही रखा है ? उन्हें रटने से क्या लाभ ?'

उसे जवाब देने के जगह स्वामी जी ने उसे bastard, foolish ,idiot , जाहिल जैसे शब्द कह दिए ।

यह सारे शब्द सुन कर वह व्यक्ति आग बबूला हो गया और स्वामी जी से बोला ' आप जैसे संन्यासी के मुख से यह सब शब्द शोभा नहीं देते । इन्हें सुनकर मुझे बहुत चोट लगी है ।'

स्वामी जी बोले ' भाई ये तो शब्द है । शब्दों में क्या रखा है ? मैंने कोई पत्थर तो नहीं फेंका जिस से आपको चोट लग गई !'

प्रश्नकर्ता सहित वहाँ मौजूद सभी भक्तों को इस प्रश्न का उत्तर मिल गया । अगर शब्द हमें उत्तेजित कर सकते हैं तो हमें ईश्वर के क़रीब भी ला सकते हैं। इसलिए हमेशा सोच समझ कर मीठे और मधुर शब्द ही बोलें।

शब्द ही सब कुछ

एक नौजवान चीता पहली बार शिकार करने निकला। अभी वो कुछ ही आगे बढ़ा था कि एक लकड़बग्घा उसे रोकते हुए बोला, ' अरे छोटू , कहाँ जा रहे हो तुम ?'

मैं तो आज पहली बार खुद से शिकार करने निकला हूँ !', चीता रोमांचित होते हुए बोला।

'हा-हा-हा-', लकड़बग्घा हंसा ,' अभी तो तुम्हारे खेलने-कूदने के दिन हैं , तुम इतने छोटे हो , तुम्हे शिकार करने का कोई अनुभव भी नहीं है , तुम क्या शिकार करोगे !!'

लकड़बग्घे की बात सुनकर चीता उदास हो गया , दिन भर शिकार के लिए वो बेमन इधर-उधर घूमता रहा , कुछ एक प्रयास भी किये पर सफलता नहीं मिली और उसे भूखे पेट ही घर लौटना पड़ा।

अगली सुबह वो एक बार फिर शिकार के लिए निकला। कुछ दूर जाने पर उसे एक बूढ़े बन्दर ने देखा और पूछा , 'कहाँ जा रहे हो बेटा ?'

'बंदर मामा, मैं शिकार पर जा रहा हूँ। ' चीता बोला।

'बहुत अच्छे ' बन्दर बोला , ' तुम्हारी ताकत और गति के कारण तुम एक बेहद कुशल शिकारी बन सकते हो , जाओ तुम्हें जल्द ही सफलता मिलेगी।'

यह सुन चीता उत्साह से भर गया और कुछ ही समय में उसने के छोटे हिरन का शिकार कर लिया।

मित्रों, हमारी ज़िन्दगी में 'शब्द' बहुत मायने रखते हैं। दोनों ही दिन चीता तो वही था, उसमें वही फुर्ति और वही ताकत थी पर जिस दिन उसे डिस्करेज किया गया वो असफल हो गया और जिस दिन एंकरेज किया गया वो सफल हो गया।

इस छोटी सी कहानी से हम तीन ज़रूरी बातें सीख सकते हैं :

पहली , हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम अपने 'शब्दों' से किसी को एंकरेज करें, डिस्करेज नहीं। इसका ये मतलब नहीं कि हम उसे उसकी कमियों से अवगत न करायें , या बस झूठ में ही एंकरेज करें।

दूसरी, हम ऐसे लोगों से बचें जो हमेशा निगेटिव सोचते और बोलते हों, और उनका साथ करें जिनका सकारात्मक नज़रिया हो।

तीसरी और सबसे अहम बात , हम खुद से क्या बात करते हैं, सेल्फ - टॉक में हम कौन से शब्दों का प्रयोग करते हैं इसका सबसे ज्यादा ध्यान रखें , क्योंकि ये 'शब्द' बहुत ताकतवर होते हैं , क्योंकि ये 'शब्द' ही हमारे विचार बन जाते हैं , और ये विचार ही हमारी ज़िन्दगी की हकीकत बन कर सामने आते हैं, इसलिए दोस्तों , वर्ड्स की पावर को पहचानिये, जहाँ तक हो सके पॉजिटिव वर्ड्स का प्रयोग करिये, इस बात को समझिए कि ये आपकी ज़िन्दगी बदल सकते हैं।

॥ 卐 ॥

Pavaan Vani

Dear Narayan Readers,
Narayan Narayan

Narayan Shastra says that your words are the creators of your life, the creators of your destiny. Your life gets shaped by the words you use. Therefore, you should always use correct, appropriate, positive words after giving a thought.

The words that we utter generate a vibration and keep roaming in the universe. The universe i.e. nature is innocent. It listens to the words and gets busy in manifesting them.It does not know right or wrong, lie or truth, for whom it is said, it only knows how to say **Tathastu**.

Once the words come out of our mouth, the nature says Tathastu. Even if we have said these words for someone else, they come true.

We have heard many times during the confession during the Brahma Muhurta prayers that if we say negative words for someone else, they become a reality and come in our lap. After many years, what is said literally happens in our life because the principle of nature is that what you give comes back to you in multiples. The words spoken by you get planted in the universe and bear fruit and act as fertilizer and water for manifestation. Therefore, we should speak every word very thoughtfully. Narayana Shastra says that whenever you speak, speak only right, appropriate, positive words and if you do not have the right positive words, then remain silent but do not use wrong and negative words because when they are used in multiples, they affect not only the speaker but also his family members and every person related to him.

Narayan Reiki Satsang family is committed to restore the Satyug by healing the body, mind, wealth relations through the use of right, appropriate positive words. **For all this, the use of right, appropriate positive words is our Maha Mantra.**

My request to all is to use the right, appropriate, positive words and get the life you desire and become our partner in the restoration of Satyug.

All good,

R. Modi

CO-EDITOR
Deepti Shukla 09869076902

EDITORIAL TEAM
Vidya Shastry 09821327562
Mona Rauka 09821502064

Main Office
Narayan Bhawan
Topiwala Compound, station road,
Goregaon (West), Mumbai.

Editorial Office
Shreyas Bunglow No 70/74 Near Mangal Murti Hospital, Gorai link Road, Borivali (W) Mumbai -92.

Regional Office

AHMEDABAD	JAIWINI SHAH	9712945552
AKOLA	SHOBHA AGRAWAL	9423102461
AKOLA	RIYA AGARWAL	9075322783
AMRAVATI	TARULATA AGRAWAL	9422855590
AURANGABAD	MADHURI DHANUKA	7040666999
BANGALORE	KANISHKA PODDAR	7045724921
BANGALORE	SHUBHANGI AGRAWAL	9341402211
BASTI	POONAM GADIA	9839582411
BIHAR	POONAM DUDHANI	9431160611
BHILWADA	REKHA CHOUDHARY	8947036241
BHOPAL	RENU GATTANI	9826377979
CHENNAI	NIRMALA CHOUDHARY	9380111170
DELHI (NOIDA)	TARUN CHANDAK	9560338327
DELHI(NOIDA)	MEGHA GUPTA	9968696600
DELHI (W)	RENU VIJ	9899277422
DHULIA	RENU BHATWAL	878571680
GONDIYA	POOJA AGRAWAL	9326811588
GAUHATI	SARLA LAHOTI	9435042637
HYDERABAD	SNEHALATA KEDIA	9247819681
INDORE	DHANSHREE SHIRALKAR	9324799502
JALANA	RAJNI AGRAWAL	8888882666
JALGAON	KALA AGARWAL	9325038277
JAIPUR	PREETI SHARMA	9461046537
JAIPUR	SUNITA SHARMA	8949357310
JHUNJHNU	PUSHPA DEVI TIBEREWAL	9694966254
ICHAKARANJI	JAY PRAKASH GOENKA	9422043578
KOLHAPUR	RADHIKA KUMTHEKAR	9518980632
KOLKATTA	SWETA KEDIA	9831543533
KANPUR	NEELAM AGARWAL	9956359597
LATUR	JYOTI BHUTADA	9657656991
MALEGAON	REKHA GARODIA	9595659042
MALEGAON	AARTI CHOUDHARY	9673519641
MORBI	KALPANA CHOUARDIA	8469927279
NAGPUR	SUDHA AGRAWAL	9373101818
NANDED	CHANDA KABRA	9422415436
NAWALGARH	MAMTA SINGRODIA	9460844144
NASIK	SUNITA AGARWAL	9892344435
PUNE	ABHA CHOUDHARY	9373161261
PATNA	ARBIND KUMAR	9422126725
PURULIYA	MRIDU RATHI	9434012619
PARATWADA	RAKHI MANISH AGRAWAL	9763263911
RAIPUR	ADITI AGRAWAL	7898588999
RANCHI	ANAND CHOUDHARY	9431115477
SURAT	RANJANA AGARWAL	9328199171
Sangli	Hema Mantri	9403571677
SIKAR (RAJASTHAN)	SUSHMA AGARWAL	9320066700
SHRI GANGANAGAR	MADHU TRIVEDI	9468881560
SATARA	NEELAM KDAM	9923557133
SHOLAPUR	SUVARNA BALDEVA	9561414443
SILIGURI	AKANKSHA MUNDHRA	9564025556
TATA NAGAR	UMA ARAWAL	9642556770
ROURKELA	UMA ARAWAL	9776890000
UDAIPUR	GUNWATI GOYAL	9223563020
HUBLI	PALLAVI MALANI	9901382572
VARANASI	ANITA BHALOTIA	9918388543
VIJAYWADA	KIRAN JHAWAR	9703933740
VARDHA	RUPA SINGHANIA	9833538222
VISHAKAPATTNAM	MANJU GUPTA	9848936660

INTERNATIONAL CENTRE NAME AND NUMBER

AUSTRALIA	RANJANA MODI	61470045681
DUBAI	VIMLA PODDAR	+971528371106
KATHMANDU	RICHA KEDIA	+977985-1132261
SINGAPORE	POOJA GUPTA	+6591454445
SHRJAH-UAE	SHILPA MANJARE	+971501752655
BANGKOK	GAYATRI AGARWAL	+66952479920
VIRATNAGAR	MANJU AGARWAL	+977980-2792005
VIRATNAGAR	VANDANA GOYAL	+977984-2377821

Editorial

Dear Readers,

II Narayan Narayand II

Recently, two very close friends living in the society had a rift. The reason was that one said some words to the other which caused hurt to the other friend and she swore not to talk to her for the rest of her life.

Are words really so important in our lives? Do words have the ability to affect our friendship, our relations, our lives and change them?

Team Satyug thought that in this issue, we should talk to our readers about the importance of words which shapes our lives.

Team Satyug presents before you related information on this subject

With the belief that you will speak all your words only after thinking carefully,

Yours own,
Sandhya Gupta

To get
important message and information from NRSP Please Register yourself on 08369501979
Please Save this no. in your contact list so that you can get all official broadcast from NRSP

we are on net

narayanreikisatsangparivar@narayanreiki

Publisher **Narayan Reiki Satsang Parivar,**
Printer - **Shrirang Printers Pvt. Ltd.,** Mumbai.
Call : 022-67847777

Call of Satyug

Words have great importance in life. Words are the prime medium to express our thoughts, feelings, and attitudes. It is through words that we convey our thoughts to others, and they have a profound impact on our relationships, social life, and mental health.

Words are the foundation of society. They are the basis of our communication and the means of exchange of ideas. It is through words that we pass on our culture, traditions, and knowledge to future generations. For example, through literature and history we can know our past and learn from it.

The power of words is infinite. A good word can inspire a person, boost his morale, while harsh words can disappoint someone. For example, great leaders like Mahatma Gandhi, Swami Vivekananda, and Martin Luther King have brought about great changes in society through words. Their words left a deep impression in the hearts of people and gave a new direction to society.

Words also have a profound impact on our mental and emotional health. Didi says- words are the creators of our lives. The words we use shape our world. So always use correct, appropriate, positive words. Positive words increase our confidence and self-esteem. They motivate us to move forward in life. On the contrary, negative words can affect our mental state, pushing us towards despair. It is through words that a person exchanges his thoughts. Words are very important. They affect a person's thoughts process also. In the true sense, words are the currency of our thoughts. Our words have great importance in life, our words are the identity of our life, how are we today, what work we do, what is our behavior towards people, how far have we reached in our life, we can identify all these through our words. The importance of words in our life is such that the person who understands the power of words understands his life i.e. "words are life". The type of vocabulary a person uses reflects his character, a person is identified by his words. In this world words are such a weapon which is considered very dangerous because the wounds of a sword heal once but the wounds caused by words never heal.

If you feel bad about something said by any person, then think in this way.

If the person is important, then forget the thing and if the thing is important, then forget the person.

In the prayers of Brahma Muhurta, we have heard many times that the words used for friends have created such situations in their own life. Words are vibrations, they are not considered as ours or others, later they bear fruit, as the vibrations are created and so becomes our world. Therefore, words should be chosen carefully. A

person is like a shop and the tongue is like its lock. Only when the lock opens, we know whether the shop is of “gold” or “coal”.

Through words, we can understand the feelings of others and show sympathy towards them. Words chosen sensitively make relationships strong, while words spoken carelessly can bring sourness in relationships. Words are small, but they have a lot of importance in life. Today, wherever we are in our lives, we are there because of our words. The person who has learned to use his words in the right way has learned to live life. Words are considered to be very important in our lives because some words in our lives make people clap and on the other hand, people object to some words. This is the reason why we should weigh our words carefully so that we do not face any situation.

Do not underestimate the power of words; a small “yes” and a “no” can change your whole life.

If you give importance to words, then the importance of relationships will remain.

Whenever you talk to someone, use the right words. Every word is very powerful in itself, that is, you can create as well as destroy with words, so whenever you have to use words, use the right words. Often, we use words in such a way that we speak without understanding, that is, we speak whatever comes to our mind, but this is not right. If you see a successful person, he will never say anything without thinking, that is, whatever words he uses, he will do so after thinking. Today, using harsh words can also hinder your success because when we are talking to someone, many such words come out of our mouth which hurt the person in front, that is, he does not like them. And due to this, your relationship with him will not be good. That is why whenever you talk to someone, speak in good words and use words thoughtfully so that he does not feel bad. And he gets impressed by talking to you. The world runs on words, that is, every person is recognized by his words, good or bad. Words are so important in our life that through words you can win the heart of any person and words can also cause a fight between two people, that is, words have great importance in our life. We should remember that words are not just sounds, they are meaningful and affect our lives. Therefore, we should use words wisely, so that we can express our thoughts and feelings in the right way and have a positive impact on the lives of others. Only by understanding the importance of words can we bring happiness, peace and progress in society and our lives.

Wisdom Box
(Glimpses of Satsang)

While giving an interview in the podcast Raj Didi shared a few precious things with us.

Q : 1 **"Since last few days I see your videos, you do chanting Ram Ram 1, Ram-Ram Why not Narayan Narayan 1, Narayan Narayan 2?**

Raj Didi said 'Ram-Ram' has been into the system from the beginning because from childhood we do Jaap of "Ram-Ram' and we speak 'Narayan Narayan" only when we step out of the house. We have strong faith that even when we go out Narayan will protect us from all kinds of negativity. So this is set into our system to say 'Narayan Narayan' while stepping out of our home and chant "Ram Ram". Ramji and Narayan ji are one and the same, it is the same power. You can say " Krishna Krishna" or "Mata Rani" all powers are the same.

Q : 2 **Ram Ram 1, Ram Ram 2, Ram Ram 2, Why the chanting is number wise, why..? I have the purpose of asking you this question, that is you do Ram-Ram Jaap once or hundred times or thousand times, why counting is required.?**

Raj Didi said many people ask us why to count?

Raj Didi explained that we do group prayers, if during group prayer she guides Satsangees to do Ram RamRam, they will not know when they have to stop. When we are praying in a group with counts, 500 people, 1000 people, as many as 2000 people, we know we have to stop at Ram-Ram 21. We have to do a Ram Ram Mala or Ram Ram 21, everyone will go in one rhythm. If we are chanting alone, Ram RamRamRam chanting and we are interrupted by a phone or door bell, we will not remember how long we did the chant, if we know we are chanting Ram Ram 21 first we will complete the counting of 21 and then we will attend phone call or open the door. It is convenient for everyone.

Raj Didi said that we do Ram Ram 21, Ram Ram 56 and Ram Ram 108. Now a days we chant Ram Ram 21 because it is comfortable for everyone.

The first thing Is that chanting of Ram Ram 21 is completed in 30 seconds.

Secondly, in Marwaris it is a saying that every work should be 21, so we focus on that 21 only so that everything turns out the best.

"Didi you are so humble, you have so much patience, you do so many prayers and

"Ram Ram" Jaaps every day, listen to people's troubles, guide them and also do a lot of work. I can feel that energy you are calm and kind. How can people develop this Energy?"

Raj Didi said that it is due to the environment in which she grew up, she did not have a second option. To explain in simple language, she was very subdued. Her father was very simple man, her brothers were very strict, they did not like that their sisters talk loudly or talk with boys.

Didi was scared of her brothers, till today she does not have the courage to speak loudly in front of her brothers.

Didi said due to the environment of her home she imbibed such qualities like patience, humility.

Didis mother expired when Didi was very young, her grandmother took care of all the children and her aunt was a big support. Didi's aunt had a huge impact on her life. Her aunt would always tell her to speak softly, she would tell Didi not to speak loudly in the in laws house otherwise people would blame the grandmother and aunt for not giving good values to the girls.

The aunt would explain everything very lovingly to Didi and her sister that if they talk softly and behave politely in their in-law's house then they will also get love and respect.

Didi emphasized that due to her aunts good teachings they attracted good friends, good people, it was due to Narayan's grace that from the beginning Didi got good surroundings so she imbibed good values.

Raj Didi further said, many times people ask her how she created such a big team? How she deals with people? Didi said she does not have to handle anything. If you would ask me if I had this vision to go on such a high Pedestal ?

Didi had no such vision. Things went on its own in her life. Didi said the few things which she can say with certainty is she utilizes the time properly, she always speaks good positive words.

Didi further explained that today she is fully involved in Satsang, but even before that it was not in her nature to talk a lot, gossip with friends, watch TV or time pass

on the phone. Now while reading Shastras Didi realized that you can win a person's heart only by humility and love, you cannot win another person by anger. All the famous people for example Gandhiji, were humble and polite.

Narayan Shastra says that when you are polite you attract prosperity in your life. Prosperity means four things- your body, your mind, your money, your relationship. Your body is healthy if you are polite because your energy stays within you, if you shout and scream, your energy Will leak Politeness gives you lots of things– your mind stays calm and peaceful. If you are humble and polite you will attract only good things in your life. Didi said she follows what she preaches she is happy that people are changing in a positive manner.

Do you think we should believe in horoscopes and what is the impact of our karmas on our horoscope please guide?

Raj Didi said that believing or not believing in horoscope is your personal choice, it depends on your faith but how your actions impact your lives, can be explained in simple language so that you can easily understand. Raj Didi further said in this universe, there are drums with names of each and every person, the drum are open from the bottom.

Numerous invisible powers travel in the universe. You must have also felt their powers many a times it so happens sometimes while walking you almost slipped but felt someone held you up. While climbing down the stairs, almost fell down but felt some one protected you and you are safe. These invisible powers make their presence felt many times is it not?

What is the main job of these invisible powers?

Raj Didi said their main job is that when we do good deeds they fill grains in our account and when we do bad karma they put pebbles in our account. This is their main job, this process is very fast. You did good deeds by your thoughts, words and behavior, immediately they put grains into your drum, you did wrong deeds immediately pebbles are transferred in your drums.

Raj Didi further said what is the definition of good deeds?

In simple words the karma which gives joy, peace, inspiration, makes one feel good

all this falls in category of good karma. In return of good karma these invisible powers put grains in your drum. If you do negative karma which hurts someone then these powers put pebbles in your drum.

When you do good karma you get good results in a package deal you are blessed with good health, wealth, peace prosperity, success, achievement, name, fame money, joy, bliss, enthusiasm, love, respect, faith, care all your work is done smoothly. You attract the things which you desire easily. If you do negative karma you get pebbles in your drum and package deal of sorrow, illness, poverty, pain, hurt, problems etc.

you said that you managed your time wisely, but today everyone says that time is short. How can we increase our time?

Raj Didi:- Look, everyone has time, whether it is Adani or Ambani or a common laborer, everyone has only 24 hours. Even if we give you 50 hours, the same system will prevail. Everyone has the same time. You notice that time is less? This complaint is made by those people who complete non-essential tasks first and spend their energy and time on them, so there is no time left for important tasks. If you complete important tasks on time, then you have plenty of time.

Those who have reached heights also have the same amount of time but they use it efficiently. How much time does your mobile take? Big people, i.e. those who have reached great heights, do not keep mobile phones at all and use mobile phones only as much as necessary. They have tied down their time. We check messages while on the go. You pick up your mobile to check a message. You should pay attention to your watch that when you pick up your mobile to check a message, you don't even realize when half an hour has passed. That is why you don't have time left. We have fixed a time and there is so much strength in our thumbs that we check and turn it off.

Question:- **From where do you get this strength ?**

Didi:- I have set up Alexa. I tell her to set an alarm for 5 minutes. The alarm starts ringing in 5 minutes. I stop as soon as the alarm rings. I don't ignore the alarm, no matter how interesting the message is going on. Sometimes I sleep late at night. It is a daily routine in the morning, to wake up at 3 o'clock, as I have the responsibility to sit on the seat. So I set an alarm for the safer side and get up as soon as the alarm rings. The alarm rings, and I get up.

I have never done this till date that I will get up five minutes later.

Our brain plays games with us. You have set the timer to look at the mobile for 5 minutes or 10 minutes. I have not seen any message for a long time. As soon as you take it in your hand, you start getting interested in the mobile. You do not know how much time will pass.

You have set an alarm and switched off the mobile with the alarm. If you do these four or five times, then your brain will know that it will not look at the mobile after that time, otherwise the next time the alarm rings, your hand will automatically switch off the mobile. If you set an alarm for 10 minutes in the beginning and do not switch off the mobile, then the same cycle will continue. If you switch off the mobile as soon as the alarm rings 5/6 times, then you will not have to put in any effort the next time because your brain lives in the comfort zone. It has got used to it from the beginning, it has to be trained.

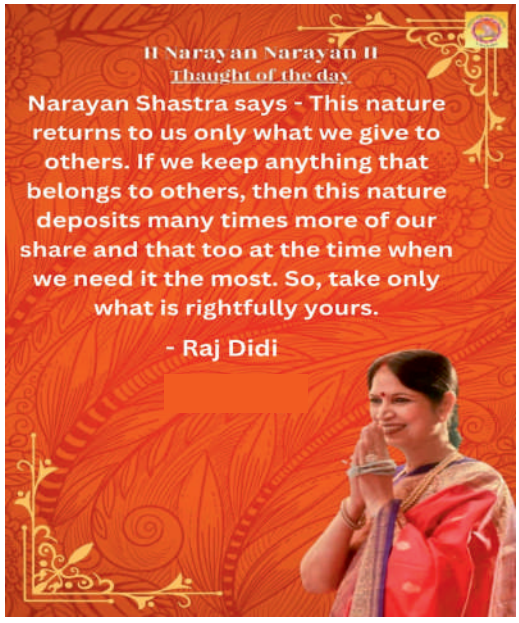

Narayan divine blessings with Narayan shakti to SaarthiEnterprises, Business successfuland Good profits.

Youth Desk

Words are a fundamental aspect of language that play a vital role in effective communication. It is important to understand the meanings of different types of words.

Words are important for your work life, your family life, your social life. It is important that you have the words you need to express how you feel, what you want or what you are going to do next. Words can hurt people, make them feel happy, encourage them, discourage them. **Words have immense power.** Their proper use can make your life seven star and its misuse can make it painful.

Words contain energy. Positive words create positive energy and negative words create negative energy.

The power of words is incomparable. Good and positive words provide the right direction and knowledge to a person. Many times, the use of good words done thoughtfully changes a person's life.

If today's youth recognize the immense power contained in words and use them properly, then surely their future life will be meaningful.

When to speak, when to remain silent and how much to speak - if this wisdom is awakened then the joy of life increases.

You must have often seen that every person wants to put forward his point of view but for that a good listener is needed.

Listen to the other person carefully, remain silent or give him positive advice. The right advice given by you will make him aware of his words.

Raj Didi says that often people spend money very thoughtfully but our words are more valuable than money. Weigh every word before speaking and then let it come out.

Crooked words are the worst, they burn everything to ashes.

Saintly words are like water, they pour down nectar.

Negative words are so bad that they have the ability to burn everything to ashes and good positive words are like water which rain in the form of nectar and nurture life.

Without words we can neither think nor do any of our work. Youth can become the creators of their lives by using only and only the right and appropriate words in their daily language.

In today's social media, in daily life, the slang words used in jest are taking us on a

different path. Their negative energy is taking away our patience, self-confidence, decency and making us unrestrained, pessimistic and ill-mannered.

We can understand the importance of our words in life by the fact that whatever situation we are in today in our lives is because of our words. Therefore, whenever we talk, we must use our words correctly so that we can win the heart of the other person with our words.

Your words have so much power that it can break even your strongest relationships and can create a good relationship with even the worst people.

Words play a very important role in business, your right words can take your business a long way, your words will decide whether the other person will do business with you or not.

Even if you do a job, your language makes you popular.

Our words are very important in life. Our words are the identity of our life.

Words are very small, but they are very important in life, wherever we are in our lives today, we are there because of our words. The person who has learned to use his words correctly in his life can handle any situation in his life with ease.

Let us always say this statement in self-healing that we **use only the right and appropriate words**. And then see how beautiful life will become.

Narayan divine blessings with Narayan shakti to Varsha Vaityon her birthday (15th August) for a seven-star life and success and happiness in all spheres.

Narayan divine blessings with Narayan shakti to Namrata Rathi on her birthday (23rd July) for a seven-star life and success and happiness in all spheres.

Narayan divine blessings with Narayan shakti to Kedar Rathi on his birthday (29thJuly) for a seven-star life and success and happiness in all spheres.

Children's Desk

After traversing through 84 lakhs species or yunis, we are chosen to come on this Earth in our Hunan form, which is the most advanced amongst all species. Narayan has only blessed humans with the power of speech, and he has also handed over the remote control to us. The words we speak change our destiny.

This issue of Satyug we focus on the importance of words.

Words are the building blocks of communication, and their importance cannot be overstated. Here are some reasons why words matter:

Words convey meaning and ideas: Words enable us to express our thoughts, feelings, and ideas, allowing us to connect with others and share our perspectives.

Narayan Shastr has the and again proved the fact that words shape our destiny: The words we speak come back to us with strenghtened energy thus manifesting what we have spoken.

The words we speak can be as sweet as a Veena, or it could piece ones heart hurting as an arrow. The words help in building relationships or vice versa.

We can inspire to motivate and guide using the power of our words. Words allow us to articulate our identity, express our individuality, and advocate for ourselves and others.

The right words can offer solace, encouragement, and support during challenging times.

Words Inspire creativity and imagination: Words can spark new ideas, fuel creativity, and bring imagination to life.

Words facilitate learning and growth: Words are essential for acquiring knowledge, understanding concepts, and developing new skills.

Narayan Shastr and Rajdidi state that the words we speak come back to us and in multiples. We speak once and Universe returns the same multiple times to us.

A satsangi shared her father in law commented it was a mistake on their part to get such an educated daughter in law. This satsangi who at time was not an NRSP retorted - " You now endure".

The same words came back to her from son.

Be alert to the use of words. Speak only good and positive words and remember whatever you speak comes back to you.

॥ 卐 ॥

Under The Guidance of Rajdidi

This time the issue of Satyug is on words. In this column we bring the experiences of people who used negative words and how those words came back in their lives:

1) Related to words

When my father was in a very good time, he had eight dal mills, ten rice mills, several ice factories, import export business, refined oil factory, mustard oil factory and many other businesses. Then he always used to tell my brothers to wake up on time and go to work or else a day will come when you will be begging with a bowl in your hand. Today his condition has become the same, all the businesses are Narayan Help. Listening to you, he is suffering the consequences of the wrong use of words spoken by him.

Whenever we used to go anywhere, to any Jain Sthanak, we used to say that get a room built on our behalf too, but later we used to forget to give them the money. Today all the properties have been sold, all the businesses have come to a standstill. We all want to apologize.

2) When I used to return home after meeting my friends, I used to jokingly tell them that I am going to a witch's house. Today the situation is such that my husband does not allow me to leave the house after 9 pm, no matter how urgent the work is.

My husband used to say that I can burn twenty-five lakh rupees, what do you care about money. Today, despite being in a very big position, we are facing a financial loss many times more than twenty-five lakhs. We apologize for our words.

3) I was very proud of my physical agility. I used to say, you are doing this work very slowly or you are not doing it properly. This is a piece of cake for my left hand and I will do it quickly. Result: Today, with age, my body does not cooperate and I have to depend on helpers. I apologize for my words.

My sister's daughter used to be very lazy to cook food, so she would often say that

I wish I neither felt hungry nor could I taste food, so that I would not have to cook food for one person. Result: Now she really does not feel the taste of food and does not feel hungry either, due to which she has become very weak. Now she is confessing her words.

4) My sister's daughter used to be very lazy to cook food, so she would often say thatI wish I neither felt hungry nor could I taste food, so that I would not have to cook

food for one person. Result: Now she really does not feel the taste of food and does not feel hungry either, due to which she has become very weak. Now she is confessing her words.

5) During the Corona period, my brother-in-law's daughter had come to stay with me. She had online classes, she used to stay awake at night and sleep all day. I used to discuss this with my mother-in-law and my husband, I also used to say that she cheats in online exams, her father has a lot of money. Today, after 3 years, I am seeing the same things in my daughter. She has gone to study outside India. When she comes to India, she watches mobile phone all night and sleeps all day. She was a topper in studies, but now she has no interest in studies at all, she watches movies all night. You say that nature returns in multiples, the same is happening with me, whatever things I had said about my brother-in-law's daughter, all the same are coming in front of me in a bigger form. I rub my nose and apologize.

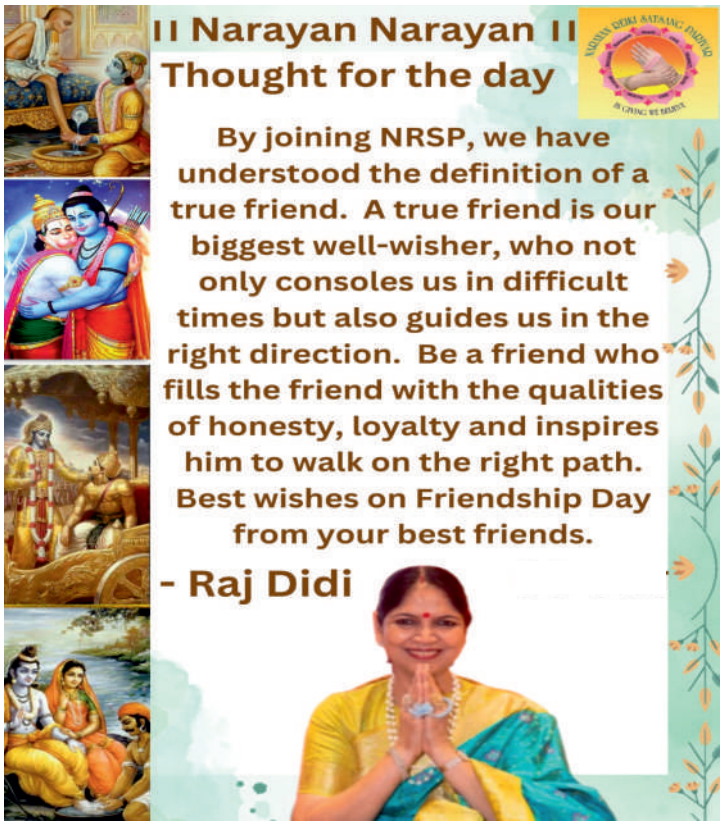

Inspirational Memoirs

Arrows shot from the mouth

Once a farmer named Golu abuses his friend and then what happens after that,is elaborated in this in the story. Once Golu said very bad things to his neighbor. But later he realized his mistake and went to a Guru Baba to repent. He went and asked Guru Baba for a way to take back his words so that he could reduce the burden on his mind.
Guru Baba told Golu Kisan to do one thing, go and collect a lot of feathers from somewhere and then go and scatter those feathers in the middle of the city. Golu Kisan did the same and then reached Guru Baba. Then Guru Baba asked Golu Kisan, can you do something so that you can go and collect those feathers and bring them back.
On this Golu Kisan went back and saw that due to the wind all the feathers had flown away and the few that were left could not be collected. When Golu farmer reached Guru Baba empty handed, Guru Baba explained to him that the same thing happens with your words, you can easily say anything to anyone without thinking, but once you say those words, they cannot be taken back, just like the wings cannot be gathered back once they are spread.

Importance of words

Once Swami Vivekananda was discussing the importance of words in his satsang. In this sequence, he was explaining the importance of the word “GOD”. A person who was arguing a lot said, “What is there in words? What is the benefit of memorizing them?”
Instead of answering him, Swami ji called him bastard, foolish, idiot, ignorant.
On hearing all these words, the person became furious and said to Swami ji, “These words do not suit the mouth of a sanyasi like you. I am very hurt by hearing them.”
Swami ji said, “Brother, these are just words. What is there in words? I did not throw any stone that hurt you!”
All the devotees present there including the questioner got the answer to this question.
If words can excite us, then they can also bring us closer to God. Therefore, always speak sweet and melodious words after thinking carefully.

Speak Inspiring Words

A young cheetah went out hunting for the first time. He had just moved ahead when a hyena stopped him and said, “Hey Chotu, where are you going?”

Today I have gone out hunting for the first time on my own!”, the cheetah said excitedly.

“Ha-ha-ha-”, the hyena laughed, “These are your playing days, you are so young, you have no experience of hunting, what will you hunt!!”

The cheetah became sad after listening to the hyena, he kept roaming for hunting the whole day, made a few attempts but did not get success and had to return home hungry.

The next morning, he went out for hunting once again. After going some distance, an old monkey saw him and asked, “Where are you going son?”

“Uncle monkey, I am going hunting.” The cheetah said.

“Very good” said the monkey, “because of your strength and speed you can become a very skilled hunter, go, you will get success soon.”

Hearing this, the cheetah was filled with enthusiasm and in no time he hunted the small deer.

Friends, “words” matter a lot in our life. The cheetah was the same on both the days, he had the same agility and the same strength, but the day he was discouraged, he failed and the day he was encouraged, he became successful.

We can learn three important things from this small story:

First, our effort should be to encourage someone with our “words”, not discourage them. Of course, this does not mean that we do not make him aware of his shortcomings, or just encourage him falsely.

Second, we should avoid people who always think and speak negatively, and support those whose outlook is positive.

Third and most important thing, we should pay utmost attention to what we say to ourselves, what words we use in self-talk, because these “words” are very powerful, because these “words” become our thoughts, and these thoughts come out as the reality of our life, so friends, recognize the power of words, use positive words as much as possible, understand that these can change your life.

GOLDEN SIX

1) Prayer -Thank you Narayan for always being with us because of which today is the best day of our life filled with abundance of love, respect, faith care, appreciation, good news and jackpots . Thank you Narayan, for blessing us with infinite peace and energy. Narayan, Thank you for blessing us with abundant wealth which we utilize. We are lucky and blessed. With your blessings, Narayan, every person, place, thing, situation, circumstances, environment, wealth, time, transport, horoscope and everything associated with us is favourable to us. We are lucky and blessed .Thank you Narayan for granting us the boon of lifelong good health because of which we are absolutely healthy. Thank you Narayan with your blessings we are peaceful and joyous, we are positive in thoughts, words and deeds and we are successful in all spheres of life. Narayan dhanyawad.

2) Energize Vaults - Visualize a rectangular drawer in which you store your money. Visualize Rs 2000 notes stacked in a row, followed by Rs 500/- , Rs100/- , Rs 50/-, Rs20/- Rs10/- and a silver bowl with various denomination of coins. Now address the locker 'You are lucky, the wealth kept in you prospers day by day.' Request the notes "Whenever you go to somebody fulfill their requirements, bring prosperity to them and come back to me in multiples." Now say the Narayan mantra, "I love you, I like you, I respect you, Narayan Bless you" and chant Ram Ram 56

3) Shanti Kalash Meditation – Visualize a Shanti Kalash (Peace Pot) above your crown chakra. Chant the mantra" Thank You Narayan, with your blessing I am filled with infinite peace, infinite peace, infinite peace. Repeat this mantra 14 times."

4) Value Addition - Add value to cash and kind (even food items) you give to others by saying Narayan Narayan or by saying the Narayan mantra.

5) Energize Dining Table/ Office table - Visualize the dining table/ office table and energize it with Shanti symbol, LRFC Carpet, Cho Ku Rei and Lucky symbol. Give the message that all that is kept on the table turns into Sanjeevini.

6) Sun Rays Meditation - Visualize that the sun rays entering your house is bringing happiness, peace, prosperity, growth, joy, bliss, enthusiasm and health sanjeevini. Also visualize your wishes materializing. This process has to be visualized for 5 minutes.

Finest Pure Veg Hotels & Resorts

The Byke

A HOTEL RETREAT

EAT GREEN . STAY EVERGREEN

Our Hotels : Matheran | Goa | Manali | Jaipur | Thane | Puri | UPCOMING BORIVALI (Mumbai)

THE BYKE HOSPITALITY LIMITED

Shree Shakambhari Corporate Park,Plot No.156-158,

Chakravati Ashok Complex, J.B.Nagar, Andheri (East), Mumbai - 400099.

T.: +91 22 67079666 | E.: sales@thebyke.com | W.: www.thebyke.com